

संपादकीय

छोटी अम्र के गहन विंतन का दस्तावेजी विचारण

नवीन पांचाल

इंटरनेट व मोबाइल की इनसानी दुनिया में घुसने से पहले डायरी लिखना अधिकतर लोगों की दिनचर्या का हिस्सा रहा है। ऐसे अनेक बाकये हैं जब डायरी महत्वपूर्ण साबित हुई। किसी के द्वारा लिखी गई डायरी कितनी विशेष साबित हो सकती है, यह जर्मन मूल की लेखिका अने फ्रांक की डच भाषी पुस्तक 'द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल' से प्रमाणित होता है। 13 से 15 साल तक की आयु के बीच लिखी गई अने फ्रांक की डायरी पर आधारित हिंदी अनुवाद की गई पुस्तक 'एक किशोरी की डायरी' उसकी श्रेष्ठ कृतियों में से एक है।

यह पुस्तक अने की प्रतिदिन लिखी गई डायरी का हिस्सा है, जो उसने 12 जून, 1942 से एक अगस्त, 1944 की अवधि में लिखी। ये वह समय है जब नात्सी व यहूदी समुदाय की बर्बादी से उन्हें रुक़रू होना पड़ा। किशोर अवस्था में कदम रखने के साथ ही अने के द्वारा लिखी शुरू की गई यह डायरी आश्वर्यजनक रूप से उसकी परिपक्ता का प्रमाण देती है। पहले ही पृष्ठ पर 12 जून, 1942 को अने लिखती है, 'मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी हर बात तुम्हें बता सकती हूं, क्योंकि मैंने अपनी बातें कभी किसी से नहीं कही। मैं आशा करती हूं कि तुम मेरे लिए सुकून और संबल का एक बड़ा स्रोत बनोगा।' इस डायरी का प्रत्येक पृष्ठ अने के जीवन के कठिन दौर का जीवंत रूप दिखाती है। लेखिका ने डायरी को किटी नाम दिया है और प्रत्येक दिन का चित्रण इस तरह से किया है कि पाठक खुद को वर्णन के करीब पाता है। उसने बेबाकी के साथ अपनी पसंद और नापसंद का किताब में उल्लेख कर दिया। खुद व परिजनों के जीवन पर मंडराते खतरे, किशोरावस्था के बचकाना प्रेम-प्रसंगों से जुड़े वाक्ये, अधिभावकों की खीझ में उलझते दिनों के वृत्तान्त को शानदार तरीके से बताया है। करीब आठ दशक पहले लिखी गई पुस्तक ऐतिहासिक दस्तावेज भी है क्योंकि यह उन संस्मरणों का संकलन है, जिसमें युद्ध के हालातों के दैरान की जिंदगी के बारे में जानकारी मिलती है। पुस्तक में किशोर अवस्था के उन प्रश्नों का भी जिक्र किया है, जिनके संबंध में सामान्यतः बड़ों से सवाल करने पर हिचकते हैं। 3 अक्टूबर, 1942 के दिन अने 'किटी' में लिखती है, 'मुझे बड़े लोगों वाली पुस्तकें पढ़ने की इजाजत मिल गई है। इवा का ख्याल था कि बच्चे पेड़ पर सेब की तरह फलते हैं और पक जाने पर पक्की उनको पेड़ों से तोड़कर मां के पास ले आते हैं। लेकिन जब उसकी सहेली की बिल्कुल को बच्चे हुए तो इवा ने उसे बिल्कुल के अंदर से ही निकलते हुए देखा।' लेखिका को उस दौर में 13 साल की आयु में ही अंतर्राष्ट्रीय विषयों का ज्ञान था। इसका उदाहरण उसकी डायरी में 27 फरवरी, 1943 के दिन लिखे पृष्ठ पर मिलता है। वह अपनी डायरी में भारतीय नायक मोहन दास कर्मचंद गांधी का जिक्र करते हुए लिखती हैं 'भारतीय स्वाधीनता संग्राम के महानायक गांधी अपनी अनंत भूख हड्डतालों में से एक पर हैं।' एक पाठक के लिए पुस्तक खुद में अनेक खासियतें संजोए हुए हैं। मसलन, लेखिका का बचपन बड़े कष्टों की स्थिति में बीता लेकिन तमाम झ़़ांगावातों के बावजूद उसने कष्ट का दौर उत्साहपूर्वक जीया।

मजबूती के साथ खुला जापान का निकर्केई
टोक्यो। पिछले सप्ताह के अंत में वॉल स्ट्रीट की ठोस बढ़त के बाद जापान के शेरय बाजार सोमवार को मजबूती के साथ खुले। समाचार एजेंसी सिफ्हुआ के मुताबिक, सुबह 9.15 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 5.45 बजे) 225 इश्यू निकर्केई शुक्रवार के मुकाबले 250.13 अंकों यानी 1.14 फीसदी की मजबूती के साथ 22,120.69 पर रहा। टॉपिक्स सूचकांक 24.09 अंकों यानी 1.50 फीसदी की मजबूती के साथ 1,629.49 पर रहा। सुबह शुरूआती कारोबार में बैंक, अलौह धातु और खनन से जुड़े शेयरों में सबसे अधिक बढ़त देखी गई।

वेजिटेबल चीज़

चीज़ बोल का टेस्ट बच्चों से लेकर बड़ों तक को आएगा पसंद और वेजिटेबल का कॉमिक्यून इसे बनाता है हेल्पी। इस डिश को आप शाम की चाय के अलावा बच्चों के टिप्पणी में भी कर सकती हैं पैक।

1 कप कसा हुआ मॉजरेला य चेड़ चीज़, द कप उबली हुई स्वीट कॉर्न, 1-2 कप उबले हुए आलू, हुई टीस्पून चाट मसाला, हुई टीस्पून शूट कारी मिर्च, नमक- स्वाक्षुपुराक कप कॉर्नप्लेट, 3 टेबलस्पून मैदा, 1 कप ब्रेड मस्ट, तलने के लिए तेल।

विधि :

एक बोल में स्वीट कॉर्न, चीज़, आलू और कॉर्नप्लेट डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें चाट मसाला, कारी मिर्च और नमक डालकर दोबारा मिलाएं।

इसकी छोटी-छोटी बॉल्स बनाएं। इन बॉल्स को आये घेटे के लिए फिज में रख दें। मैदे का गाढ़ा घोल तैयार कर लें। ब्रेड मस्ट को प्लेट में फैलाएं। कड़ाही में तेल गर्म करें। अब बॉल्स को पहले मैदे के घोल में अच्छी तरह डुबोएं। फिर ब्रेड मस्ट में लपेटें। इसे तुरंत कड़ाही में डालें। युनहा होने तक फाई कर लें। ऐसे ही बॉल्स तैयार करें।

संकट में फंसी महिलाओं की मदद करेगा मोबाइल एप माई सर्कल

नई दिल्ली। भारतीय एयरटेल ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिटकी) की महिला उद्यमियों की शाखा एफएलओ के सहयोग से रविवार को एक मोबाइल एप माई सर्कल लांच किया, जोकि किसी प्रकार की समस्या



या घबराहट के हालात में महिलाओं की मदद करेगा।

भारतीय एयरटेल ने कहा, माई सर्कल से महिलाएं जरूरत पड़ने पर अपने परिवार या मित्रों में से किहीं पांच लोगों को 13 भाषाओं में संदेश भेज सकती हैं, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, मराठी, पंजाबी, बांगला, उर्दू, असमी, ओडिया और गुजराती शामिल हैं। संकट में फंसी महिला एप पर एसओएस प्रॉमोटर दबाकर एसओएस अलर्ट भेज सकती है।

आगामी शादी के सीजन में सोने में तेजी के रुझान



जूबंड़। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव और ब्रेक्सिट पर अनिश्चितता के बादल के साथ-साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुरक्षा के संकेत से सुरक्षित निवेश के प्रति निवेशकों का रुझान बना रहा सकता है। ऐसे में सोना सुरक्षित निवेश का एक परंपरागत साधारण है। बाजार के जानकार बताते हैं कि आगामी शादी के सीजन में निवेशकों का रुझान बना रहा है। जो बाजार के जानकार बताते हैं कि आगामी शादी के सीजन में तेजी बनी रहेगी। कार्वी कमोडिटीज के विनोद जयकुमार ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास दर अनुमान को हाल में 3.7 फीसदी के साथ बढ़ाकर 3.5 फीसदी किए जेवराती मांग ज्यादा है।

विदेशी खिलाड़ी के रूप में भी आपकी अलग जिम्मेदारी होती है: रबाडा

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चार विकेट लेकर दिल्ली कैपिटल्स को जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज कीसीसो रबाडा ने कहा कि लीग में एक विदेशी खिलाड़ी के रूप में आपकी अपनी अलग जिम्मेदारी होती है। मुझे बस यही लगता है कि आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए।



गति में विविधता लाने की आवश्यकता होती है। हम बदलाव करने की कोशिश करते हैं, खासकर अगर विकेट उस प्रकार के बदलावों के पक्ष में हो। हमें इस चीज से आज फायदा हुआ।

रबाडा ने कहा, कई मायनों में एक विदेशी खिलाड़ी के रूप में आपकी अपनी अलग जिम्मेदारी होती है। मुझे बस यही लगता है कि आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए।

हमें इससे हमें फायदा होता है। अभी तक ऐसे ही विदेशी खिलाड़ी के रूप में एक विकेट धीमी होती है। मैच में विकेट धीमी होती है। और मैं इससे हमें एक बेहतरीन गेंदबाजी की। अंयर और रबाडा अंडर-19 विश्व कप में एक साथ खेले थे। अंयर

को रुझान बनाए और टीम को कुल योग तक पहुंचाया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 155 रन ही बनाए और हैदराबाद को 39 रनों से शिकस्त दी।

मैच के बाद अंयर ने कहा, हम मानते हैं कि खिलाड़ी कीभी-भी हमारी पहुंच से ज्यादा दूर नहीं है। मैच में विकेट धीमी होती है। और मैं इससे हमें एक बेहतरीन गेंदबाजी की। अंयर और रबाडा अंडर-19 विश्व कप में एक साथ खेले थे। अंयर

ने कहा, हम एक साथ खेल हैं और एक-टू-एक के साथ रहना अच्छा है। हमारे बीच दोस्ती है और यह एक सकारात्मक चीज है। लक्ष्य का थोड़े रन बनाए और टीम को कुल योग तक पहुंचाया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 155 रन ही बनाए और हैदराबाद को 39 रनों से शिकस्त दी।

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उसी के घर में दमदार जीत दर्ज करने वाली दिल्ली कैपिटल्स के कपासन श्रेयस अंयर ने माना कि उनकी टीम की नज़रें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का पहला खिलाफ जीतने पर टिकी है। दिल्ली ने रविवार को यहां खेले गए मुकाबले में हैदराबाद को 39 रनों से